UP News

Date:24.07.2026

आई.टी.एस. डेंटल कॉलेज में एक दिवसीय सी.डी.ई. एवं कार्यशाला कार्यक्रम का आयोजन

Sign:

Dental Library **Director- Principal**

आई.टी.एस. डेंटल कॉलेज, गाजियाबाद के प्रोस्थोडोंटिक्स एंड क्राउन एंड ब्रिज विभाग द्वारा दिनांक 24 जुलाई, 2026 को एक दिवसीय सी.डी.ई. एवं कार्यशाला कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।कार्यक्रम का विषय ''ऑक्लूजन अनलोक्ड: द की टू क्लीनिक सक्सेस'' था।इस कार्यशाला में देश के विभिन्न डेंटल कॉलेजों के 200 से अधिक बी.डी.एस. छात्र एवं एम.डी.एस. के विद्यार्थियों के साथ-साथ सभी दंत विभागों के दंत चिकित्सकों ने सहभागिता की।

यह कार्यक्रम आई.टी.एस. - द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ. आर.पी. चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन, श्री अर्पित चड्ढा के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ रघुवर दयाल सिंह, प्रोफेसर, प्रोस्थोडोंटिक्स विभाग, किंग जॉर्ज मेडिकल विश्वविद्यालय, लखनऊ रहे।डॉ रघुवर को प्रोस्थोडोंटिक्स के क्षेत्र में दो दशकों से अधिक के शिक्षण एवं क्लीनिकल अनुभव प्राप्त है।

इस अवसर पर संस्थान के डायरेक्टर-प्रिंसिपल, डॉ देवी चरण शेट्टी के साथ-साथ संस्थान के सभी डीन्स, दंत विभागों के एच.ओ.डी. एवं दंत चिकित्सक भी उपस्थित रहें।

अपने व्याख्यान में डॉ रघुवर ने दंत ऑक्लूजन के मूलभूत सिद्धांतों तथा रेस्टोरेटिव डेंटिस्ट्री, प्रोस्थोडोंटिक्स, इम्प्लांट डेंटिस्ट्री एवं फुल माउथ रिहैबिलिटेशन में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला।उन्होंने ऑक्लूजल कॉन्टैक्ट्स एवं मैंडीबुलर मूवमेंट्स के वैज्ञानिक विश्लेषण के माध्यम से सामान्य एवं विकृत ऑक्लूजल स्थितियों की पहचान, पैराफंक्शनल आदतों के साक्ष्य-आधारित निदान एवं प्रबंधन तथा दैनिक क्लीनिकल प्रैक्टिस में वैज्ञानिक ऑक्लूजल सिद्धांतों के समुचित उपयोग की आवश्यकता पर विशेष बल दिया।

कार्यशाला का मुख्य आकर्षण टी-स्कैन कम्प्यूटरीकृत ऑक्लूजल विश्लेषण प्रणाली का लाइव प्रदर्शन रहा।डॉ सिंह ने इस अत्याधुनिक डिजिटल तकनीक के माध्यम से डायनेमिक ऑक्लूजल कॉन्टैक्ट्स, बाइट फोर्स डिस्ट्रीब्यूशन, ऑक्लूजल टाइमिंग तथा मैंडीबुलर मूवमेंट्स का सटीक विश्लेषण प्रस्तुत किया।प्रतिभागियों ने व्यावहारिक रूप से यह समझा कि इस तकनीक द्वारा ऑक्लूजल इंटरफेरेंस एवं बल के संतुलन की सटीक पहचान कर बेहतर निदान, वैज्ञानिक ऑक्लूजल समायोजन तथा प्रभावी उपचार योजना कैसे तैयार की जा सकती है।

कार्यक्रम के दौरान आयोजित प्रश्नोत्तरी सत्र में प्रतिभागियों ने विशेषज्ञ से विभिन्न विषयों पर चर्चा की तथा अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया।सभी प्रतिभागियों ने कार्यक्रमों की वैज्ञानिक गुणवत्ता, व्यावहारिक प्रस्तुति एवं डिजिटल ऑक्लूजल विश्लेषण से संबंधित ज्ञानवर्धक जानकारी की सराहना की।इस कार्यशाला ने प्रतिभागियों को आधुनिक

ऑक्लूजल विश्लेषण तकनीकों एवं दीर्घकालिक, कार्यात्मक तथा सफल उपचार परिणामों प्राप्त करने में उनके प्रभावी उपयोग के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर डॉ. रघुवर दयाल सिंह ने इस कार्यशाला के उत्कृष्ट एवं सफल आयोजन हेतु संस्थान की सराहना की।

इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को सर्वश्रेष्ठ क्लीनिकल ज्ञानवर्धक मंच उपलब्ध कराने के लिये आई.टी.एस. - द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन श्री अर्पित चड्ढा के प्रति आभार व्यक्त किया।

Date:24.07.2026

आई.टी.एस. डेंटल कॉलेज में एक दिवसीय सी.डी.ई. एवं कार्यशाला कार्यक्रम का आयोजन

मुरादनगर। (नासिर मंसूरी) दिल्ली मेरठ रोड पर असालत नगर के निकट स्थित आई.टी.एस. डेंटल कॉलेज के प्रोस्थोडोंटिक्स एंड क्राउन एंड ब्रिज विभाग द्वारा ''ऑक्लूजन अनलोक्ड: द की टू क्लीनिक सक्सेस'' विषय पर एक दिवसीय सी.डी.ई. एवं कार्यशाला कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस कार्यशाला में देश के विभिन्न डेंटल कॉलेजों के 200 से अधिक बी.डी.एस. छात्र एवं एम.डी.एस. के विद्यार्थियों के साथ-साथ सभी दंत विभागों के दंत चिकित्सकों ने सहभागिता की।यह कार्यक्रम आई.टी.एस. - द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ. आर.पी. चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से आयोजित किया गया।

Sign:

Dental Library **Director- Principal**

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ रघुवर दयाल सिंह, प्रोफेसर, प्रोस्थोडोंटिक्स विभाग, किंग जॉर्ज मेडिकल विश्वविद्यालय, लखनऊ रहे।इस अवसर पर संस्थान के डायरेक्टर-प्रिंसिपल, डॉ देवी चरण शेट्टी के साथ-साथ संस्थान के सभी डीन्स, दंत विभागों के एच.ओ.डी. एवं दंत चिकित्सक भी उपस्थित रहे।अपने व्याख्यान में डॉ रघुवर ने दंत ऑक्लूज़न के मूलभूत सिद्धांतों तथा रेस्टोरेटिव डेंटिस्ट्री, प्रोस्थोडोंटिक्स, इम्प्लांट डेंटिस्ट्री एवं फुल माउथ

रिहैबिलिटेशन में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला।उन्होंने ऑक्लूजल कॉन्टैक्ट्स एवं मैंडीबुलर मूवमेंट्स के वैज्ञानिक विश्लेषण के माध्यम से सामान्य एवं विकृत ऑक्लूजल स्थितियों की पहचान, पैराफंक्शनल आदतों के साक्ष्य-आधारित निदान एवं प्रबंधन तथा दैनिक क्लीनिकल प्रैक्टिस में वैज्ञानिक ऑक्लूजल सिद्धांतों के समुचित उपयोग की आवश्यकता पर विशेष बल दिया।

कार्यशाला का मुख्य आकर्षण टी-स्कैन कम्प्यूटरीकृत ऑक्लूजल विश्लेषण प्रणाली का लाइव प्रदर्शन रहा।डॉ सिंह ने इस अत्याधुनिक डिजिटल तकनीक के माध्यम से डायनेमिक ऑक्लूजल कॉन्टैक्ट्स, बाइट फोर्स डिस्ट्रीब्यूशन, ऑक्लूजल टाइमिंग तथा मैंडीबुलर मूवमेंट्स का सटीक विश्लेषण प्रस्तुत किया।प्रतिभागियों ने व्यावहारिक रूप से यह समझा कि इस तकनीक द्वारा ऑक्लूजल इंटरफेरेंस एवं बल के संतुलन की सटीक पहचान कर बेहतर निदान, वैज्ञानिक ऑक्लूजल समायोजन तथा प्रभावी उपचार योजना कैसे तैयार की जा सकती है।

कार्यक्रम के दौरान आयोजित प्रश्नोत्तरी सत्र में प्रतिभागियों ने विशेषज्ञ से विभिन्न विषयों पर चर्चा की तथा अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया।सभी प्रतिभागियों ने कार्यक्रमों की वैज्ञानिक गुणवत्ता, व्यावहारिक प्रस्तुति एवं डिजिटल ऑक्लूजल विश्लेषण से संबंधित ज्ञानवर्धक जानकारी की सराहना की।

Buland Sandesh

Date:25.07.2026

आई.टी.एस. डेंटल कॉलेज में एक दिवसीय सी.डी.ई. एवं कार्यशाला कार्यक्रम का आयोजन

बुलन्द संदेश ब्यूरो

मुरादनगर। (नासिर मंसूरी) दिल्ली मेरठ रोड पर असालत नगर के निकट स्थित आई.टी.एस. डेंटल कॉलेज के प्रोस्थोडोंटिक्स एंड क्राउन एंड ब्रिज विभाग द्वारा ऑक्लूजन अनलोक्ड: द की टू क्लीनिक सक्सेस विषय पर एक दिवसीय सी.डी.ई. एवं कार्यशाला कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में देश के विभिन्न डेंटल कॉलेजों के 200 से अधिक बी.डी.एस. छात्र एवं एम.डी.एस. के विद्यार्थियों के साथ-साथ सभी दंत विभागों के दंत चिकित्सकों ने सहभागिता की। यह कार्यक्रम आई.टी.एस. - द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ. आर.पी. चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ रघुवर दयाल सिंह, प्रोफेसर, प्रोस्थोडोंटिक्स विभाग, किंग जॉर्ज मेडिकल विश्वविद्यालय, लखनऊ रहे। इस अवसर पर संस्थान के डायरेक्टर-प्रिंसिपल, डॉ देवी चरण शेट्टी के साथ-साथ संस्थान के सभी डीन्स, दंत विभागों के

एच.ओ.डी. एवं दंत चिकित्सक भी उपस्थित रहे। अपने व्याख्यान में डॉ रघुवर ने दंत ऑक्लूजन के मूलभूत सिद्धांतों तथा रेस्टोरेटिव डेंटिस्ट्री, प्रोस्थोडोंटिक्स, इम्प्लांट डेंटिस्ट्री एवं फुल माउथ रिहैबिलिटेशन में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने ऑक्लूजल कॉन्टैक्ट्स एवं मैंडीबुलर मूवमेंट्स के वैज्ञानिक विश्लेषण के माध्यम से सामान्य एवं विकृत ऑक्लूजल स्थितियों की पहचान, पैराफंक्शनल आदतों के साक्ष्य-आधारित निदान एवं प्रबंधन तथा दैनिक क्लीनिकल प्रैक्टिस में वैज्ञानिक ऑक्लूजल सिद्धांतों के समुचित उपयोग की आवश्यकता पर विशेष बल दिया। कार्यशाला का मुख्य आकर्षण टी-स्कैन कम्प्यूटरीकृत ऑक्लूजल विश्लेषण प्रणाली का लाइव प्रदर्शन रहा। डॉ सिंह ने इस अत्याधुनिक डिजिटल तकनीक के माध्यम से डायनेमिक ऑक्लूजल कॉन्टैक्ट्स, बाइट फोर्स डिस्ट्रीब्यूशन, ऑक्लूजल टाइमिंग तथा मैंडीबुलर मूवमेंट्स का सटीक विश्लेषण प्रस्तुत किया। प्रतिभागियों ने व्यावहारिक रूप से यह समझा कि इस तकनीक द्वारा ऑक्लूजल इंटरफेरेंस एवं बल के संतुलन की सटीक पहचान कर बेहतर निदान, वैज्ञानिक ऑक्लूजल समायोजन तथा प्रभावी उपचार योजना कैसे तैयार की जा सकती है।

कार्यक्रम के दौरान आयोजित प्रश्नोत्तरी सत्र में प्रतिभागियों ने विशेषज्ञ से विभिन्न विषयों पर चर्चा की तथा अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। सभी प्रतिभागियों ने कार्यक्रमों की वैज्ञानिक गुणवत्ता, व्यावहारिक प्रस्तुति एवं डिजिटल ऑक्लूजल विश्लेषण से संबंधित ज्ञानवर्धक जानकारी की सराहना की।

Sign:

Dental Library **Director- Principal**

Jan Sagar Today

Date:25.07.2026

आईटीएस डेंटल कॉलेज में एक दिवसीय सीडीई एवं कार्यशाला कार्यक्रम का किया आयोजन

जन सागर टुडे (सं)

मुरादनगर। आई.टी.एस. डेंटल कॉलेज, गाजियाबाद के प्रोस्थोडॉटिक्स एंड क्राउन एंड ब्रिज विभाग द्वारा एक दिवसीय सी.डी.ई. एवं कार्यशाला कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय ऑक्लूजन अनलोकड: द की टू क्लीनिक सक्सेस था। इस कार्यशाला में देश के विभिन्न डेंटल कॉलेजों के 200 से अधिक बी.डी.एस. छात्र एवं एम.डी.एस. के विद्यार्थियों के साथ-साथ सभी दंत विभागों के दंत चिकित्सकों ने सहभागिता की। यह कार्यक्रम आई.टी.एस. - द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ. आर.पी. चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन, अर्पित चड्ढा के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ रघुवर दयाल सिंह, प्रोफेसर, प्रोस्थोडोटिक्स विभाग, किंग जॉर्ज मेडिकल विश्वविद्यालय, लखनऊ रहे। डॉ रघुवर को प्रोस्थोडॉटिक्स के क्षेत्र में दो दशकों से अधिक के शिक्षण एवं क्लीनिकल अनुभव प्राप्त है। इस अवसर पर संस्थान के डायरेक्टर-प्रिंसिपल, डॉ देवी चरण शेट्टी के साथ-साथ संस्थान के सभी डीन्स, दंत विभागों के एच.ओ.डी. एवं दंत चिकित्सक भी उपस्थित रहें।

अपने व्याख्यान में डॉ रघुवर ने दंत ऑक्लूजन के मूलभूत सिद्धांतों तथा रेस्टोरेटिव डेंटिस्ट्री, प्रोस्थोडॉटिक्स, इम्प्लांट डेंटिस्ट्री एवं फुल माउथ रिहैबिलिटेशन में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने ऑक्लूजल कॉन्टैक्ट्स एवं मैंडीबुलर मूवमेंट्स के वैज्ञानिक विश्लेषण के माध्यम से सामान्य एवं विकृत ऑक्लूजल स्थितियों की पहचान, पैराफंक्शनल आदतों के साक्ष्य-आधारित निदान एवं प्रबंधन तथा दैनिक क्लीनिकल प्रैक्टिस में वैज्ञानिक ऑक्लूजल सिद्धांतों के समुचित उपयोग की आवश्यकता पर विशेष बल दिया।

कार्यशाला का मुख्य आकर्षण टी-स्कैन कम्प्यूटरीकृत ऑक्लूजल विश्लेषण प्रणाली का लाइव प्रदर्शन रहा। डॉ सिंह ने इस अत्याधुनिक डिजिटल तकनीक के माध्यम से डायनेमिक ऑक्लूजल कॉन्टैक्ट्स, बाइट फोर्स डिस्ट्रीब्यूशन, ऑक्लूजल टाइमिंग तथा मैंडीबुलर मूवमेंट्स का सटीक विश्लेषण प्रस्तुत किया। प्रतिभागियों ने व्यावहारिक रूप से यह समझा कि इस तकनीक द्वारा ऑक्लूजल इंटरफेरेंस एवं बल के संतुलन की सटीक पहचान कर बेहतर निदान, वैज्ञानिक ऑक्लूजल समायोजन तथा प्रभावी उपचार योजना कैसे तैयार की जा सकती है।

कार्यक्रम के दौरान आयोजित प्रश्नोत्तरी सत्र में प्रतिभागियों ने विशेषज्ञ से विभिन्न विषयों पर चर्चा की तथा अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। सभी प्रतिभागियों ने कार्यक्रमों की वैज्ञानिक गुणवत्ता, व्यावहारिक प्रस्तुति एवं डिजिटल ऑक्लूजल विश्लेषण से संबंधित ज्ञानवर्धक जानकारी की सराहना की। इस कार्यशाला ने प्रतिभागियों को आधुनिक ऑक्लूजल विश्लेषण तकनीकों एवं दीर्घकालिक, कार्यात्मक तथा सफल उपचार परिणामों प्राप्त करने में उनके प्रभावी उपयोग के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम के समापन अवसर पर डॉ. रघुवर दयाल सिंह ने इस कार्यशाला के उत्कृष्ट एवं सफल आयोजन हेतु संस्थान की सराहना की। इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को सर्वश्रेष्ठ क्लीनिकल ज्ञानवर्धक मंच उपलब्ध कराने के लिये आई.टी.एस. - द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा के प्रति आभार व्यक्त किया।

Sign:

Dental Library | **Director- Principal**

Krishna Ujala Samvaddata

Date:25.07.2026

आई.टी.एस. डेंटल कॉलेज में एक दिवसीय सी.डी.ई. एवं कार्यशाला कार्यक्रम का आयोजन

कृष्ण उजाला संवाददाता

गाजियाबाद। आई.टी.एस. डेंटल कॉलेज, गाजियाबाद के प्रोस्थोडॉन्टिक्स एंड क्राउन एंड ब्रिज विभाग द्वारा दिनांक 24 जुलाई, 2026 को एक दिवसीय सी.डी.ई. एवं कार्यशाला कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय ह्यह्यऑक्लूजन अनलोक्डः द की टू क्लीनिक सक्सेसह्यह्य था।इस कार्यशाला में देश के विभिन्न डेंटल कॉलेजों के 200 से अधिक बी.डी.एस. छात्र एवं एम.डी.एस. के विद्यार्थियों के साथ-साथ सभी दंत विभागों के दंत चिकित्सकों ने सहभागिता की।

यह कार्यक्रम आई.टी.एस. - द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ. आर.पी. चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन, श्री अर्पित चड्ढा के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ रघुवर दयाल सिंह, प्रोफेसर, प्रोस्थोडॉन्टिक्स विभाग, किंग जॉर्ज मेडिकल विश्वविद्यालय, लखनऊ रहे। डॉ रघुवर को प्रोस्थोडॉन्टिक्स के क्षेत्र में दो दशकों से अधिक के शिक्षण एवं क्लीनिकल अनुभव प्राप्त है। इस अवसर पर संस्थान के डायरेक्टर-प्रिंसिपल, डॉ देवी चरण शेट्टी के साथ-साथ संस्थान के सभी डीन्स, दंत विभागों के एच.ओ.डी. एवं दंत चिकित्सक भी उपस्थित रहें।

अपने व्याख्यान में डॉ रघुवर ने दंत ऑक्लूजन के मूलभूत सिद्धांतों तथा रेस्टोरेटिव डेंटिस्ट्री, प्रोस्थोडॉन्टिक्स, इम्प्लांट डेंटिस्ट्री एवं फुल माउथ रिहैबिलिटेशन में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने ऑक्लूजल कॉन्टैक्ट्स एवं मैंडीबुलर मूवमेंट्स के वैज्ञानिक विश्लेषण के माध्यम से सामान्य एवं विकृत ऑक्लूजल स्थितियों की पहचान, पैराफंक्शनल आदतों के साक्ष्य-आधारित निदान एवं प्रबंधन तथा दैनिक क्लीनिकल प्रैक्टिस में वैज्ञानिक ऑक्लूजल सिद्धांतों के समुचित उपयोग की आवश्यकता पर विशेष बल दिया। कार्यशाला का मुख्य आकर्षण टी-स्कैन कम्प्यूटरीकृत ऑक्लूजल विश्लेषण प्रणाली का लाइव प्रदर्शन रहा।

डॉ सिंह ने इस अत्याधुनिक डिजिटल तकनीक के माध्यम से डायनेमिक ऑक्लूजल कॉन्टैक्ट्स, बाइट फोर्स डिस्ट्रीब्यूशन, ऑक्लूजल टाइमिंग तथा मैंडीबुलर मूवमेंट्स का सटीक विश्लेषण प्रस्तुत किया। प्रतिभागियों ने व्यावहारिक रूप से यह समझा कि इस तकनीक द्वारा ऑक्लूजल इंटरफेरेंस एवं बल के संतुलन की सटीक पहचान कर बेहतर निदान, वैज्ञानिक ऑक्लूजल समायोजन तथा प्रभावी उपचार योजना कैसे तैयार की जा सकती है।

कार्यक्रम के दौरान आयोजित प्रश्नोत्तरी सत्र में प्रतिभागियों ने विशेषज्ञ से विभिन्न विषयों पर चर्चा की तथा अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया।

सभी प्रतिभागियों ने कार्यक्रमों की वैज्ञानिक गुणवत्ता, व्यावहारिक प्रस्तुति एवं डिजिटल ऑक्लूजल विश्लेषण से संबंधित ज्ञानवर्धक जानकारी की सराहना की। इस कार्यशाला ने प्रतिभागियों को आधुनिक ऑक्लूजल विश्लेषण तकनीकों एवं दीर्घकालिक, कार्यात्मक तथा सफल उपचार परिणामों प्राप्त करने में उनके प्रभावी उपयोग के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम के समापन अवसर पर डॉ. रघुवर दयाल सिंह ने इस कार्यशाला के उत्कृष्ट एवं सफल आयोजन हेतु संस्थान की सराहना की। इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को सर्वश्रेष्ठ क्लीनिकल ज्ञानवर्धक मंच उपलब्ध कराने के लिये आई.टी.एस. - द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन श्री अर्पित चड्ढा के प्रति आभार व्यक्त किया।

Sign:

Dental Library | **Director- Principal**

Social Media Times

Date:25.07.2026

आई.टी.एस. डेंटल कॉलेज में

एक दिवसीय सीडीई एवं कार्यशाला कार्यक्रम का आयोजन

सोशल मीडिया टाइम्स

मुरादनगर। शुक्रवार को आई.टी.एस. डेंटल कॉलेज, गाजियाबाद के प्रोस्थोडोंटिक्स एंड क्राउन एंड ब्रिज विभाग द्वारा दिनांक 24 जुलाई, 2026 को एक दिवसीय सी.डी.ई. एवं कार्यशाला कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय 'ऑक्लूजन अनलोक्ड: द की टू क्लीनिक सक्सेस' था। इस कार्यशाला में देश के विभिन्न डेंटल कॉलेजों के 200 से अधिक बी.डी.एस. छात्र एवं एम.डी.एस. के विद्यार्थियों के साथ-साथ सभी दंत विभागों के दंत चिकित्सकों ने सहभागिता की।

यह कार्यक्रम आई.टी.एस. - द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ. आरपी. चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन, अर्पित चड्ढा के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ रघुवर दयाल सिंह, प्रोफेसर, प्रोस्थोडोंटिक्स विभाग, किंग जॉर्ज मेडिकल विश्वविद्यालय, लखनऊ रहे। डॉ रघुवर को प्रोस्थोडोंटिक्स के क्षेत्र मेंदो दशकों से अधिक के शिक्षण एवं क्लीनिकल अनुभव प्राप्त है।

इस अवसर पर संस्थान के डायरेक्टर-प्रिंसिपल, डॉ देवी चरण शेट्टी के साथ-साथ संस्थान के सभी डीन्स, दंत विभागों के एच.ओ.डी. एवं दंत चिकित्सक भी उपस्थित रहें। अपने व्याख्यान में डॉ रघुवर ने दंत ऑक्लूजन के मूलभूत सिद्धांतों तथा रेस्टोरेटिव डेंटिस्ट्री, प्रोस्थोडोंटिक्स, इम्प्लांट डेंटिस्ट्री एवं फुल माउथ रिहैबिलिटेशन में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने ऑक्लूजल कॉन्टैक्ट्स एवं मैंडीबुलर मूवमेंट्स के वैज्ञानिक विश्लेषण के माध्यम से सामान्य एवं विकृत ऑक्लूजल स्थितियों की पहचान, पैराफंक्शनल आदतों के साक्ष्य-आधारित निदान एवं प्रबंधन तथा दैनिक क्लीनिकल प्रैक्टिस में वैज्ञानिक ऑक्लूजल सिद्धांतों के समुचित उपयोग की आवश्यकता पर विशेष बल दिया।

कार्यशाला का मुख्य आकर्षण टी-स्कैन कम्प्यूटरीकृत ऑक्लूजल विश्लेषण प्रणाली का लाइव प्रदर्शन रहा। डॉ सिंह ने इस अत्याधुनिक डिजिटल तकनीक के माध्यम से डायनेमिक ऑक्लूजल कॉन्टैक्ट्स, बाइट फोर्स डिस्ट्रीब्यूशन, ऑक्लूजल टाइमिंग तथा मैंडीबुलर मूवमेंट्स का सटीक विश्लेषण प्रस्तुत किया। प्रतिभागियों ने व्यावहारिक रूप से यह समझा कि इस तकनीक द्वारा ऑक्लूजल इंटरफेरेंस एवं बल के संतुलन की सटीक पहचान कर बेहतर निदान, वैज्ञानिक ऑक्लूजल समायोजन तथा प्रभावी उपचार योजना कैसे तैयार की जा सकती है।

कार्यक्रम के दौरान आयोजित प्रश्नोत्तरी सत्र में प्रतिभागियों ने विशेषज्ञ से विभिन्न विषयों पर चर्चा की तथा अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। सभी प्रतिभागियों ने कार्यक्रमों की वैज्ञानिक गुणवत्ता, व्यावहारिक प्रस्तुति एवं डिजिटल ऑक्लूजल विश्लेषण से संबंधित ज्ञानवर्धक जानकारी की सराहना की। इस कार्यशाला ने प्रतिभागियों को आधुनिक ऑक्लूजल विश्लेषण तकनीकों एवं दीर्घकालिक, कार्यात्मक तथा सफल उपचार परिणामों प्राप्त करने में उनके प्रभावी उपयोग के संबंध में महत्त्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम के समापन अवसर पर डॉ. रघुवर दयाल सिंह ने इस कार्यशाला के उत्कृष्ट एवं सफल आयोजन हेतु संस्थान की सराहना की। इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को सर्वश्रेष्ठ क्लीनिकल ज्ञानवर्धक मंच उपलब्ध कराने के लिये आई.टी.एस. - द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन श्री अर्पित चड्ढा के प्रति आभार व्यक्त किया।

Sign: ____________ ____________________

Dental Library **Director- Principal**

Dainik Athah Samvaddata

Date:25.07.2026

आई.टी.एस. डेंटल कॉलेज में एक दिवसीय

सीडीई एवं कार्यशाला कार्यक्रम का आयोजन

समापन अवसर पर डॉ. रघुवर दयाल सिंह ने इस कार्यशाला के उत्कृष्ट एवं सफल आयोजन हेतु संस्थान की सराहना की

अथाह संवाददाता

मुरादनगर। आई.टी.एस. डेंटल कॉलेज, गाजियाबाद के प्रोस्थोडोंटिक्स एंड क्राउन एंड ब्रिज विभाग द्वारा शुक्रवार को एक दिवसीय सी.डी.ई. एवं कार्यशाला कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का विषय 'ऑक्लूजन अनलोक्डः द की टू क्लीनिक सक्सेस' था। इस कार्यशाला में देश के विभिन्न डेंटल कॉलेजों के 200 से अधिक बी.डी.एस. छात्र एवं एम.डी.एस. के विद्यार्थियों के साथ-साथ सभी दंत विभागों के दंत चिकित्सकों ने सहभागिता की। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ रघुवर दयाल सिंह, प्रोफेसर, प्रोस्थोडोंटिक्स विभाग, किंग जॉर्ज मेडिकल विश्वविद्यालय, लखनऊ रहे। डॉ रघुवर को प्रोस्थोडोंटिक्स के क्षेत्र में दो दशकों से अधिक के शिक्षण एवं क्लीनिकल अनुभव प्राप्त है।

इस अवसर पर संस्थान के डायरेक्टर-प्रिंसिपल, डॉ देवी चरण शेट्टी के साथ-साथ संस्थान के सभी डीन्स, दंत विभागों के एच.ओ.डी. एवं दंत चिकित्सक भी उपस्थित रहें। कार्यक्रम के दौरान आयोजित प्रश्नोत्तरी सत्र में प्रतिभागियों ने विशेषज्ञ से विभिन्न विषयों पर चर्चा की तथा अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। सभी प्रतिभागियों ने कार्यक्रमों की वैज्ञानिक गुणवत्ता, व्यावहारिक प्रस्तुति एवं डिजिटल ऑक्लूजल विश्लेषण से संबंधित ज्ञानवर्धक जानकारी की सराहना की। इस कार्यशाला ने प्रतिभागियों को आधुनिक ऑक्लूजल विश्लेषण तकनीकों एवं दीर्घकालिक, कार्यात्मक तथा सफल उपचार परिणामों प्राप्त करने में उनके प्रभावी उपयोग के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।

इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को सर्वश्रेष्ठ क्लीनिकल ज्ञानवर्धक मंच उपलब्ध कराने के लिये आई.टी.एस. - द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा के प्रति आभार व्यक्त किया।

Sign: ____________ ____________________

Dental Library **Director- Principal**

Dainik Jagran

Page No.VII(Jagran City) Date:25.07.2026

आइटीएस में हुआ सीडीई कार्यशाला का आयोजन

कार्यशाला के दौरान उपस्थित अतिथि वक्ता, स्टाफ के सदस्य और छात्र-छात्राएं ●

संस, जागरण ● मुरादनगर : दिल्ली-मेरठ मार्ग स्थित आइटीएस डेंटल कालेज में एक दिवसीय सीडीई कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में बीडीएस और एमडीएस के 200 से अधिक छात्रों ने हिस्सा लिया। कालेज के सभागार में आयोजित कार्यशाला में किंग जार्ज मेडिकल के प्रोस्थोडोंटिक्स विभाग के प्रमुख डा. रघुवर दयाल मुख्य वक्ता के तौर पर रहे। अपने व्याख्यान में उन्होंने आक्लूजन के मूलभूत सिद्धांतों तथा रेस्टोरेटिव डेंटिस्ट्री, प्रोस्थोडोंटिक्स, इम्प्लांट डेंटिस्ट्री एवं फुल माउथ रिहैबिलिटेशन में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस दौरान छात्रों ने प्रोस्थोडोंटिक्स से संबंधित कई प्रश्न भी पूछे। सफल आयोजन के लिए सभी ने आइटीएस समूह के चेयरमैन डा. आरपी चड्ढा और अर्पित चड्ढा के प्रति आभार प्रकट किया।

Sign: ____________ ________________________

Dental Library **Director- Principal**

Hind Atma Samvaddata

Date:25.07.2026

आईटीएस डेंटल कॉलेज में 'ऑक्लूजन अनलोक्ड' पर सीडीई एवं कार्यशाला आयोजित

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। आईटीएस डेंटल कॉलेज, गाजियाबाद के प्रोस्थोडोंटिक्स एंड क्राउन एंड ब्रिज विभाग ने शुक्रवार को "ऑक्लूजन अनलोक्डः द की टू क्लीनिक सक्सेस" विषय पर एक दिवसीय सी.डी.ई. एवं कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यक्रम में देश भर के विभिन्न डेंटल कॉलेजों से 200 से अधिक बी.डी.एस. छात्र, एम.डी.एस. विद्यार्थी तथा सभी दंत विभागों के चिकित्सकों ने भाग लिया।कार्यक्रम का उद्घाटन आईटीएस - द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्ढा और वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा के मार्गदर्शन में हुआ। इस अवसर पर संस्थान के डायरेक्टर-प्रिंसिपल डॉ. देवी चरण शेट्टी, सभी डीन्स, एच.ओ.डी. एवं चिकित्सक उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता के रूप में किंग जॉर्ज मेडिकल विश्वविद्यालय, लखनऊ के प्रोस्थोडोंटिक्स विभाग के प्रोफेसर डॉ. रघुवर दयाल सिंह ने व्याख्यान दिया। उन्होंने दंत ऑक्लूजन के सिद्धांतों, रेस्टोरेटिव डेंटिस्ट्री, इम्प्लांट एवं फुल माउथ रिहैबिलिटेशन में इसकी भूमिका पर प्रकाश डाला। साथ ही पैराफंक्शनल आदतों के निदान एवं ऑक्लूजल सिद्धांतों के क्लीनिकल उपयोग पर जोर दिया।

कार्यशाला का मुख्य आकर्षण टी-स्कैन कम्प्यूटरीकृत ऑक्लूजल विश्लेषण प्रणाली का लाइव डेमो रहा। डॉ. सिंह ने डायनेमिक ऑक्लूजल कॉन्टैक्ट्स, बाइट फोर्स और ऑक्लूजल टाइमिंग का विश्लेषण कर प्रतिभागियों को आधुनिक तकनीक से अवगत कराया। प्रश्नोत्तरी सत्र में प्रतिभागियों ने विशेषज्ञ से संवाद किया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. सिंह ने संस्थान की सराहना की। सभी ने कार्यशाला की वैज्ञानिक गुणवत्ता की सराहना की।

Sign:

Dental Library **Director- Principal**

Shah Times Samvaddata

Date:25.07.2026

आईटीएस कॉलेज में एक दिवसीय सीडीई एवं कार्यशाला कार्यक्रम का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

मुरादनगर। आईटीएस डेंटल कॉलेज, गाजियाबाद के प्रोस्थोडॉन्टिक्स एंड क्राउन एंड ब्रिज विभाग द्वारा दिनांक 24 जुलाई, 2026 को एक दिवसीय सीडीई एवं कार्यशाला कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय "ऑक्लूजन अनलॉक्ड: द की टू क्लीनिकल सक्सेस" था। इस कार्यशाला में देश के विभिन्न डेंटल कॉलेजों के 200 से अधिक बीडीएस छात्र एवं एमडीएस के विद्यार्थियों के साथ-साथ सभी दंत विभागों के दंत चिकित्सकों ने सहभागिता की। यह कार्यक्रम आईटीएस - द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ. आरपी चड्ढा तथा वाइस चेयरमैन, अर्पित चड्ढा के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से

सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ रघुवर दयाल सिंह, प्रोफेसर, प्रोस्थोडॉन्टिक्स विभाग, किंग जॉर्ज मेडिकल विश्वविद्यालय, लखनऊ रहे। डॉ रघुवर को प्रोस्थोडॉन्टिक्स के क्षेत्र में दो दशकों से अधिक के शिक्षण एवं क्लीनिकल अनुभव प्राप्त है। इस अवसर पर संस्थान के डायरेक्टर-प्रिंसिपल, डॉ देवी चरण शेट्टी के साथ-साथ संस्थान के सभी डीन्स, दंत विभागों के एचओडी एवं दंत चिकित्सक भी उपस्थित रहे। अपने व्याख्यान में डॉ रघुवर ने दंत ऑक्लूजन के मूलभूत सिद्धांतों तथा रेस्टोरेटिव डेंटिस्ट्री, प्रोस्थोडॉन्टिक्स, इम्प्लांट डेंटिस्ट्री एवं फुल माउथ रिहैबिलिटेशन में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने ऑक्लूजल कॉन्टैक्ट्स एवं मैंडीबुलर मूवमेंट्स के वैज्ञानिक विश्लेषण के माध्यम से सामान्य एवं विकृत ऑक्लूजल स्थितियों की पहचान, पैराफंक्शनल आदतों के साक्ष्य-आधारित निदान एवं प्रबंधन तथा दैनिक क्लीनिकल प्रैक्टिस में वैज्ञानिक ऑक्लूजल सिद्धांतों के समुचित उपयोग की आवश्यकता पर विशेष बल दिया। कार्यशाला का मुख्य आकर्षण टी स्कैन कम्प्यूटरीकृत ऑक्लूजल विश्लेषण प्रणाली का लाइव प्रदर्शन रहा। डॉ सिंह ने इस अत्याधुनिक डिजिटल तकनीक के माध्यम से डायनेमिक ऑक्लूजल कॉन्टैक्ट्स, बाइट फोर्स डिस्ट्रीब्यूशन, ऑक्लूजल टाइमिंग तथा मैंडीबुलर मूवमेंट्स का सटीक विश्लेषण प्रस्तुत किया। प्रतिभागियों ने व्यावहारिक रूप से यह समझा कि इस तकनीक द्वारा ऑक्लूजल इंटरफेरेंस एवं बल के संतुलन की सटीक पहचान कर बेहतर निदान, वैज्ञानिक ऑक्लूजल समायोजन तथा प्रभावी उपचार योजना कैसे तैयार की जा सकती है। कार्यक्रम के दौरान आयोजित प्रश्नोत्तरी सत्र में प्रतिभागियों ने विशेषज्ञ से विभिन्न विषयों पर चर्चा की तथा अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। सभी प्रतिभागियों ने कार्यक्रमों की वैज्ञानिक गुणवत्ता, व्यावहारिक प्रस्तुति एवं डिजिटल ऑक्लूजल विश्लेषण से संबंधित ज्ञानवर्धक जानकारी की सराहना की। इस कार्यशाला ने प्रतिभागियों को आधुनिक ऑक्लूजल विश्लेषण तकनीकों एवं दीर्घकालिक, कार्यात्मक तथा सफल उपचार परिणामों प्राप्त करने में उनके प्रभावी उपयोग के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।

Sign: __________ ____________________

Dental Library **Director- Principal**

Rojana Times

Date:25.07.2026

आई.टी.एस डेंटल कॉलेज में एक दिवसीय सी.डी.ई एवं कार्यशाला कार्यक्रम का आयोजन

दैनिक रोजाना टाइम्स

मुरादनगर। आई.टी.एस डेंटल कॉलेज, गाजियाबाद के प्रोस्थोडोंटिक्स एंड क्राउन एंड ब्रिज विभाग द्वारा एक दिवसीय सी.डी.ई एवं कार्यशाला कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय ह्यह्यऑक्लूजन अनलोक्ड : द की टू क्लीनिक सक्सेसह्यह्य था। इस कार्यशाला में देश के विभिन्न डेंटल कॉलेजों के 200 से अधिक बी.डी.एस. छात्र एवं एम.डी.एस. के विद्यार्थियों के साथ-साथ सभी दंत विभागों के दंत चिकित्सकों ने सहभागिता की। यह कार्यक्रम आई.टी.एस. - द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ. आर.पी. चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन, अर्पित चड्ढा के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ रघुवर दयाल सिंह, प्रोफेसर, प्रोस्थोडोंटिक्स विभाग, किंग जॉर्ज मेडिकल विश्वविद्यालय, लखनऊ रहे। डॉ रघुवर को प्रोस्थोडोंटिक्स के क्षेत्र में दो दशकों से अधिक के शिक्षण एवं क्लीनिकल अनुभव प्राप्त है। इस अवसर पर संस्थान के डायरेक्टर-प्रिंसिपल, डॉ देवी चरण शेट्टी के साथ-साथ संस्थान के सभी डीन्स, दंत विभागों के एच.ओ.डी. एवं दंत चिकित्सक भी उपस्थित रहें।

अपने व्याख्यान में डॉ रघुवर ने दंत ऑक्लूजन के मूलभूत सिद्धांतों तथा रेस्टोरेटिव डेंटिस्ट्री, प्रोस्थोडोंटिक्स, इम्प्लांट डेंटिस्ट्री एवं फुल माउथ रिहैबिलिटेशन में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के दौरान आयोजित प्रश्नोत्तरी सत्र में प्रतिभागियों ने

विशेषज्ञ से विभिन्न विषयों पर चर्चा की तथा अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। सभी प्रतिभागियों ने कार्यक्रमों की वैज्ञानिक गुणवत्ता, व्यावहारिक प्रस्तुति एवं डिजिटल ऑक्लूजल विश्लेषण से संबंधित ज्ञानवर्धक जानकारी की सराहना की। इस कार्यशाला ने प्रतिभागियों को आधुनिक ऑक्लूजल विश्लेषण तकनीकों एवं दीर्घकालिक, कार्यात्मक तथा सफल उपचार परिणामों प्राप्त करने में उनके प्रभावी उपयोग के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम के समापन अवसर पर डॉ. रघुवर दयाल सिंह ने इस कार्यशाला के उत्कृष्ट एवं सफल आयोजन हेतु संस्थान की सराहना की। इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को सर्वश्रेष्ठ क्लीनिकल ज्ञानवर्धक मंच उपलब्ध कराने के लिये आई.टी.एस. - द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा के प्रति आभार व्यक्त किया।

Sign: ____________ ______________________

Dental Library **Director- Principal**

Sunhera Sansar Samvaddata

Date:25.07.2026

आई.टी.एस. डेंटल कॉलेज में एक दिवसीय सी.डी.ई. एवं कार्यशाला कार्यक्रम का आयोजन

राष्ट्रीय सुनहरा संसार वन्दना जोशी संवाददाता

मुरादनगर। दिल्ली मेरठ मार्ग स्थित आई.टी.एस. डेंटल कॉलेज, गाजियाबाद के प्रोस्थोडोंटिक्स एंड क्राउन एंड ब्रिज विभाग द्वारा दिनांक 24 जुलाई, 2026 को एक दिवसीय सी.डी.ई. एवं कार्यशाला कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय ह्यह्यऑक्लूजन अनलोक्ड: द की टू क्लीनिक सक्सेसह्यह्य था। इस कार्यशाला में देश के विभिन्न डेंटल कॉलेजों के 200 से अधिक बी.डी.एस. छात्र एवं एम.डी.एस. के विद्यार्थियों के साथ-साथ सभी दंत विभागों के दंत चिकित्सकों ने सहभागिता की। यह कार्यक्रम आई.टी.एस. - द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ. आर.पी. चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन, अर्पित चड्ढा के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ रघुवर दयाल सिंह, प्रोफेसर, प्रोस्थोडोंटिक्स विभाग, किंग जॉर्ज मेडिकल विश्वविद्यालय, लखनऊ रहे। डॉ रघुवर को प्रोस्थोडोंटिक्स के क्षेत्र में दो दशकों से अधिक के शिक्षण एवं क्लीनिकल अनुभव प्राप्त है। इस अवसर पर संस्थान के डायरेक्टर-प्रिंसिपल, डॉ देवी चरण शेट्टी के साथ-साथ संस्थान के सभी डीन्स, दंत विभागों के एच.ओ.डी. एवं दंत चिकित्सक भी उपस्थित रहें। अपने व्याख्यान में डॉ रघुवर ने दंत ऑक्लूजन के मूलभूत सिद्धांतों तथा रेस्टोरेटिव डेंटिस्ट्री, प्रोस्थोडोंटिक्स, इम्प्लांट डेंटिस्ट्री एवं फुल माउथ रिहैबिलिटेशन में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने ऑक्लूजल कॉन्टैक्ट्स एवं मैंडीबुलर मूवमेंट्स के वैज्ञानिक विश्लेषण के माध्यम से सामान्य एवं विकृत ऑक्लूजल स्थितियों की पहचान, पैराफंक्शनल आदतों के साक्ष्य-आधारित निदान एवं प्रबंधन तथा दैनिक क्लीनिकल प्रैक्टिस में वैज्ञानिक ऑक्लूजल सिद्धांतों के समुचित उपयोग की आवश्यकता पर विशेष बल दिया।

कार्यशाला का मुख्य आकर्षण टी-स्कैन कम्प्यूटरीकृत ऑक्लूजल विश्लेषण प्रणाली का लाइव प्रदर्शन रहा। डॉ सिंह ने इस अत्याधुनिक डिजिटल तकनीक के माध्यम से डायनेमिक ऑक्लूजल कॉन्टैक्ट्स,बाइट फोर्स डिस्ट्रीब्यूशन, ऑक्लूजल टाइमिंग तथा मैंडीबुलर मूवमेंट्स का सटीक विश्लेषण प्रस्तुत किया।प्रतिभागियों ने व्यावहारिक रूप से यह समझा कि इस तकनीक द्वारा ऑक्लूजल इंटरफेरेंस एवं बल के संतुलन की सटीक पहचान कर बेहतर निदान, वैज्ञानिक ऑक्लूजल समायोजन तथा प्रभावी उपचार योजना कैसे तैयार की जा सकती है। कार्यक्रम के दौरान आयोजित प्रश्नोत्तरी सत्र में प्रतिभागियों ने विशेषज्ञ से विभिन्न विषयों पर चर्चा की तथा अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया।

सभी प्रतिभागियों ने कार्यक्रमों की वैज्ञानिक गुणवत्ता, व्यावहारिक प्रस्तुति एवं डिजिटल ऑक्लूजल विश्लेषण से संबंधित ज्ञानवर्धक जानकारी की सराहना की। इस कार्यशाला ने प्रतिभागियों को आधुनिक ऑक्लूजल विश्लेषण तकनीकों एवं दीर्घकालिक, कार्यात्मक तथा सफल उपचार परिणामों प्राप्त करने में उनके प्रभावी उपयोग के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर डॉ. रघुवर दयाल सिंह ने इस कार्यशाला के उत्कृष्ट एवं सफल आयोजन हेतु संस्थान की सराहना की। इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को सर्वश्रेष्ठ क्लीनिकल ज्ञानवर्धक मंच उपलब्ध कराने के लिये आई.टी.एस. - द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा के प्रति आभार व्यक्त किया।

Sign: ____________ ________________________

Dental Library **Director- Principal**

Dainik Bhaskar

Date:25.07.2026

आई.टी.एस. में 'ऑक्लूजन अनलोक्ड' पर सी.डी.ई. कार्यशाला

भास्कर ब्यूरो

मुरादनगर । नगर क्षेत्र के आई.टी.एस. डेंटल कॉलेज के प्रोस्थोडोंटिक्स एंड क्राउन एंड ब्रिज विभाग द्वारा 24 जुलाई 2026 को "ऑक्लूजन अनलोक्डः द की टू क्लीनिकल सक्सेस" विषय पर एक दिवसीय सी.डी.ई. एवं कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में देशभर के विभिन्न डेंटल कॉलेजों से 200 से अधिक बी.डी.एस. छात्र, एम.डी.एस. विद्यार्थी और सभी दंत विभागों के चिकित्सकों ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता केजीएमयू लखनऊ के प्रोफेसर डॉ. रघुवर दयाल सिंह रहे। उन्होंने दंत ऑक्लूजन के सिद्धांतों, रेस्टोरेटिव डेंटिस्ट्री, इम्प्लांट और फुल माउथ रिहैबिलिटेशन में इसकी भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। पैराफंक्शनल आदतों के निदान और दैनिक क्लीनिक में ऑक्लूजल सिद्धांतों के उपयोग पर भी बल दिया। कार्यशाला का मुख्य आकर्षण टी-स्कैन कम्प्यूटरीकृत ऑक्लूजल विश्लेषण प्रणाली का लाइव डेमो रहा। डॉ. सिंह ने इसके द्वारा डायनेमिक बाइट फोर्स, ऑक्लूजल टाइमिंग और मैंडीबलर मवमेंटस का सटीक विश्लेषण दिखाया। कार्यक्रम का शुभारंभ आई.टी.एस. - द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्ढा और वाईस चेयरमैन श्री अर्पित चड्ढा के मार्गदर्शन में हुआ।

इस अवसर पर डायरेक्टर-प्रिंसिपल डॉ. देवी चरण शेट्टी, सभी डीन, एच.ओ.डी. और चिकित्सक उपस्थित रहे। समापन पर डॉ. सिंह ने संस्थान की सराहना की।

प्रतिभागियों ने कार्यक्रम की वैज्ञानिक गुणवत्ता और व्यावहारिक ज्ञान की सराहना की।

Sign: __________ ____________________

Dental Library | Director- Principal

Uday Bhoomi Samvaddata

Date:25.07.2026

दंत चिकित्सा में आधुनिक तकनीक का संगम, आईटीएस डेंटल कॉलेज की कार्यशाला में विशेषज्ञों ने खोले सफल उपचार के नए आयाम

'ऑक्लूजनः क्लीनिकल सफलता की कुंजी' विषय पर राष्ट्रीय स्तर का सतत दंत शिक्षा एवं कार्यशाला कार्यक्रम, 200 से अधिक छात्र-चिकित्सकों ने लिया हिस्सा

उदय भूमि संवाददाता

गाजियाबाद। आधुनिक दंत चिकित्सा में वैज्ञानिक तकनीकों और नवीनतम उपचार पद्धतियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आईटीएस डेंटल कॉलेज के प्रोस्थोडॉन्टिक्स एवं क्राउन एंड ब्रिज विभाग द्वारा शुक्रवार को एक दिवसीय सतत दंत शिक्षा एवं कार्यशाला कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। 'ऑक्लूजनः क्लीनिकल सफलता की कुंजी' विषय पर आयोजित इस राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम में देश के विभिन्न डेंटल कॉलेजों से आए 200 से अधिक बीडीएस एवं एमडीएस विद्यार्थियों के साथ वरिष्ठ दंत चिकित्सकों और शिक्षकों ने भाग लेकर आधुनिक दंत चिकित्सा से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों से जानकारी प्राप्त की। यह कार्यक्रम आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्ढा तथा वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य दंत चिकित्सा के क्षेत्र में अध्ययनरत विद्यार्थियों और चिकित्सकों को नवीनतम वैज्ञानिक अवधारणाओं, डिजिटल तकनीकों तथा क्लीनिकल उपचार पद्धतियों से परिचित कराना था। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ के प्रोस्थोडॉन्टिक्स विभाग के प्रोफेसर डॉ. रघुवर दयाल सिंह रहे, जिन्हें इस क्षेत्र में दो दशकों से अधिक का शिक्षण एवं क्लीनिकल अनुभव प्राप्त है। उनके व्याख्यान ने प्रतिभागियों को दंत चिकित्सा के वैज्ञानिक पहलुओं की गहराई से जानकारी दी। इस अवसर पर संस्थान के डायरेक्टर-प्रिंसिपल डॉ. देवी चरण शेट्टी, विभिन्न संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष एवं बड़ी संख्या में दंत चिकित्सक भी उपस्थित रहे। अपने व्याख्यान में डॉ. रघुवर दयाल सिंह ने दंत ऑक्लूजन के मूलभूत सिद्धांतों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए बताया कि सफल दंत उपचार के लिए दांतों के आपसी संतुलन और जबड़ों की प्राकृतिक गतिविधियों को समझना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने पुनर्स्थापनात्मक दंत चिकित्सा, कृत्रिम दंत प्रत्यारोपण, इम्प्लांट आधारित उपचार तथा संपूर्ण मुख पुनर्वास जैसी आधुनिक उपचार पद्धतियों में ऑक्लूजन की महत्वपूर्ण भूमिका को सरल और वैज्ञानिक ढंग से समझाया। उन्होंने प्रतिभागियों को सामान्य एवं असामान्य ऑक्लूजल स्थितियों की पहचान, दांतों पर पड़ने वाले असंतुलित दबाव, जबड़ों की गतिविधियों के विश्लेषण तथा पैराफंक्शनल आदतों के साक्ष्य आधारित निदान और उपचार के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने इस बात पर विशेष बल दिया कि यदि दंत चिकित्सक वैज्ञानिक ऑक्लूजल सिद्धांतों का सही उपयोग करें तो उपचार की गुणवत्ता और दीर्घकालिक सफलता दोनों में उल्लेखनीय सुधार किया जा सकता है। कार्यशाला का सबसे आकर्षक और ज्ञानवर्धक सत्र अत्याधुनिक टी-स्कैन डिजिटल ऑक्लूजल विश्लेषण प्रणाली का लाइव प्रदर्शन रहा। इस दौरान विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को आधुनिक कंप्यूटरीकृत तकनीक के माध्यम से दांतों के संपर्क, काटने की शक्ति का वितरण, जबड़ों की गति तथा समयानुसार दबाव के विश्लेषण की पूरी प्रक्रिया का व्यावहारिक प्रदर्शन किया। प्रतिभागियों ने प्रत्यक्ष रूप से जाना कि यह तकनीक दंत समस्याओं का अधिक सटीक निदान करने, ऑक्लूजल असंतुलन की पहचान करने तथा प्रत्येक मरीज के लिए वैज्ञानिक और प्रभावी उपचार योजना तैयार करने में कितनी उपयोगी है। कार्यक्रम के दौरान आयोजित प्रश्नोत्तर सत्र भी प्रतिभागियों के लिए अत्यंत उपयोगी साबित हुआ। विद्यार्थियों और चिकित्सकों ने दंत चिकित्सा से जुड़े विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञ से सवाल पूछे और आधुनिक उपचार पद्धतियों से संबंधित अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। प्रतिभागियों ने कार्यशाला की वैज्ञानिक गुणवत्ता, व्यावहारिक प्रशिक्षण और डिजिटल तकनीकों पर आधारित प्रस्तुतियों की मुक्त कंठ से सराहना की। समापन अवसर पर डॉ. रघुवर दयाल सिंह ने आईटीएस डेंटल कॉलेज द्वारा आयोजित इस उच्चस्तरीय शैक्षणिक कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएं विद्यार्थियों और चिकित्सकों के ज्ञान एवं कौशल को नई दिशा प्रदान करती हैं। उन्होंने आधुनिक तकनीकों को चिकित्सा शिक्षा से जोड़ने के लिए संस्थान के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्ढा एवं वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन और सहयोग से प्रतिभागियों को आधुनिक दंत चिकित्सा की नवीनतम तकनीकों, वैज्ञानिक शोध और क्लीनिकल अनुभवों को एक ही मंच पर सीखने का उत्कृष्ट अवसर प्राप्त हुआ।

Sign: ____________ ____________________

Dental Library **Director- Principal**

Loktantra Vani Samvaddata

Date:25.07.2026

आईटीएस डेंटल कॉलेज में एक दिवसीय सीडीई एवं कार्यशाला का सफल आयोजन

लोकतंत्र वाणी / संवाददाता

गाजियाबाद। आईटीएस डेंटल कॉलेज, गाजियाबाद के प्रोस्थोडोंटिक्स एवं क्राउन एंड ब्रिज विभाग द्वारा एक दिवसीय सीडीई एवं कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। कार्यशाला का विषय ऑक्लूजन अनलॉक्ड द की टू क्लीनिक सक्सेस रहा। इसमें देश के विभिन्न डेंटल कॉलेजों के 200 से अधिक बीडीएस एवं एमडीएस विद्यार्थियों के साथ विभिन्न दंत विभागों के दंत चिकित्सकों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का आयोजन आईटीएस द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आर पी चड्ढा तथा वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा के मार्गदर्शन में किया गया। मुख्य वक्ता किंग जॉर्ज मेडिकल विश्वविद्यालय, लखनऊ के प्रोस्थोडोंटिक्स विभाग के प्रोफेसर डॉ रघुवर दयाल सिंह रहे। उन्हें

प्रोस्थोडोंटिक्स के क्षेत्र में दो दशकों से अधिक का शिक्षण एवं क्लीनिकल अनुभव प्राप्त है। इस अवसर पर संस्थान के डायरेक्टर प्रिंसिपल डॉ देवी चरण शेट्टी, सभी डीन, दंत विभागों के विभागाध्यक्ष तथा दंत चिकित्सक उपस्थित रहे। डॉ रघुवर दयाल सिंह ने अपने व्याख्यान में दंत ऑक्लूजन के मूलभूत सिद्धांतों तथा रेस्टोरेटिव डेंटिस्ट्री, प्रोस्थोडोंटिक्स, इम्प्लांट डेंटिस्ट्री और फुल माउथ रिहैबिलिटेशन में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने ऑक्लूजल कॉन्टैक्ट्स और मैंडीबुलर मूवमेंट्स के वैज्ञानिक विश्लेषण के माध्यम से सामान्य एवं विकृत ऑक्लूजल स्थितियों की पहचान, पैराफंक्शनल आदतों के साक्ष्य आधारित निदान एवं प्रबंधन तथा दैनिक क्लीनिकल प्रैक्टिस में वैज्ञानिक ऑक्लूजल सिद्धांतों के प्रभावी उपयोग पर विशेष बल दिया। कार्यशाला का मुख्य आकर्षण टी स्कैन कंप्यूटरीकृत ऑक्लूजल विश्लेषण प्रणाली का सजीव प्रदर्शन रहा। डॉ रघुवर दयाल सिंह ने इस आधुनिक डिजिटल तकनीक के माध्यम से डायनेमिक ऑक्लूजल कॉन्टैक्ट्स, बाइट फोर्स डिस्ट्रीब्यूशन, ऑक्लूजल टाइमिंग तथा मैंडीबुलर मूवमेंट्स का सटीक विश्लेषण प्रस्तुत किया। प्रतिभागियों ने व्यावहारिक रूप से जाना कि इस तकनीक की सहायता से ऑक्लूजल इंटरफेरेंस और बल के संतुलन की सटीक पहचान कर बेहतर निदान, वैज्ञानिक ऑक्लूजल समायोजन तथा प्रभावी उपचार योजना तैयार की जा सकती है। प्रश्नोत्तरी सत्र में प्रतिभागियों ने विशेषज्ञ से विभिन्न विषयों पर चर्चा कर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। प्रतिभागियों ने कार्यक्रम की वैज्ञानिक गुणवत्ता, व्यावहारिक प्रस्तुति तथा डिजिटल ऑक्लूजल विश्लेषण से संबंधित उपयोगी जानकारी की सराहना की। कार्यशाला ने आधुनिक ऑक्लूजल विश्लेषण तकनीकों तथा दीर्घकालिक, कार्यात्मक और सफल उपचार परिणाम प्राप्त करने में उनके प्रभावी उपयोग की महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। समापन अवसर पर डॉ रघुवर दयाल सिंह ने कार्यशाला के उत्कृष्ट आयोजन की सराहना की। अंत में सभी प्रतिभागियों को उच्च स्तरीय क्लीनिकल ज्ञान उपलब्ध कराने के लिए आईटीएस द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आर पी चड्ढा तथा वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा के प्रति आभार व्यक्त किया।

Sign: __________ ____________________

Dental Library **Director- Principal**

Smart Vision Samachar

Date:25.07.2026

आई.टी.एस. डेंटल कॉलेज में एक दिवसीय सी.डी.ई. एवं कार्यशाला का आयोजन

स्मार्ट विज़न समाचार

गाजियाबाद। आई.टी.एस. डेंटल कॉलेज, गाजियाबाद के प्रोस्थोडॉन्टिक्स एंड क्राउन एंड ब्रिज विभाग द्वारा दिनांक 24 जुलाई, 2026 को एकदिवसीय सी.डी.ई. एवं कार्यशाला कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय द्वाइऑक्लूजन अनलॉक्ड: द की टू क्लीनिकल सक्सेसद्वाइ था। इस कार्यशाला में देश के विभिन्न डेंटल कॉलेजों के 200 से अधिक बी.डी.एस. छात्र एवं एम.डी.एस. के विद्यार्थियों के साथ-साथ सभी दंत विभागों के दंत चिकित्सकों ने सहभागिता की।

यह कार्यक्रम आई.टी.एस. - द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ. आर.पी. चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन, श्री अर्पित चड्ढा के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ रघुवर दयाल सिंह, प्रोफेसर, प्रोस्थोडॉन्टिक्स विभाग, किंग जॉर्ज मेडिकल विश्वविद्यालय, लखनऊ रहे। डॉ रघुवर को प्रोस्थोडॉन्टिक्स के क्षेत्र में दो दशकों से अधिक के शिक्षण एवं क्लीनिकल अनुभव प्राप्त है।

इस अवसर पर संस्थान के डायरेक्टर-प्रिंसिपल, डॉ देवी चरण शेट्टी के साथ-साथ संस्थान के सभी डीन, दंत विभागों के एच.ओ.डी. एवं दंतचिकित्सक भी उपस्थित रहे। अपने व्याख्यान में डॉ रघुवर ने दंत ऑक्लूजन के मूलभूत सिद्धांतों तथा रेस्टोरेटिव डेंटिस्ट्री, प्रोस्थोडॉन्टिक्स, इम्प्लांट डेंटिस्ट्री एवं फुल माउथ रिहैबिलिटेशन में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने ऑक्लूजल कॉन्टैक्ट्स एवं मैंडीबुलर मूवमेंट्स के वैज्ञानिक विश्लेषण के माध्यम से सामान्य एवं विकृत ऑक्लूजल स्थितियों की पहचान, पैराफंक्शनल आदतों के साक्ष्य-आधारित निदान एवं प्रबंधन तथा दैनिक क्लीनिकल प्रैक्टिस में वैज्ञानिक ऑक्लूजल सिद्धांतों के समुचित उपयोग की आवश्यकता पर विशेष बल दिया।

कार्यशाला का मुख्य आकर्षण टी-स्कैन कम्प्यूटरीकृत ऑक्लूजल विश्लेषण प्रणाली का लाइव प्रदर्शन रहा। डॉ सिंह ने इस अत्याधुनिक डिजिटल तकनीक के माध्यम से डायनेमिक ऑक्लूजल कॉन्टैक्ट्स, बाइट फोर्स डिस्ट्रीब्यूशन, ऑक्लूजल टाइमिंग तथा मैंडीबुलर मूवमेंट्स का सटीक विश्लेषण प्रस्तुत किया। प्रतिभागियों ने व्यावहारिक रूप से यह समझा कि इस तकनीक द्वारा ऑक्लूजल इंटरफेरेंस एवं बल के संतुलन की सटीक पहचान कर बेहतर निदान, वैज्ञानिक ऑक्लूजल समायोजन तथा प्रभावी उपचार योजना कैसे तैयार की जा सकती है।

कार्यक्रम के दौरान आयोजित प्रश्नोत्तरी सत्र में प्रतिभागियों ने विशेषज्ञ से विभिन्न विषयों पर चर्चा की तथा अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। सभी प्रतिभागियों ने कार्यक्रम की वैज्ञानिक गुणवत्ता, व्यावहारिक प्रस्तुति एवं डिजिटल ऑक्लूजल विश्लेषण से संबंधित ज्ञानवर्धक जानकारी की सराहना की। इस कार्यशाला ने प्रतिभागियों को आधुनिक ऑक्लूजल विश्लेषण तकनीकों एवं दीर्घकालिक, कार्यात्मक तथा सफल उपचार परिणामों प्राप्त करने में उनके प्रभावी उपयोग के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम के समापन अवसर पर डॉ. रघुवर दयाल सिंह ने इस कार्यशाला के उत्कृष्ट एवं सफल आयोजन हेतु संस्थान की सराहना की। इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को सर्वश्रेष्ठ क्लीनिकल ज्ञानवर्धक मंच उपलब्ध कराने के लिये आई.टी.एस. - द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन आर.पी. चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा के प्रति आभार व्यक्त किया।

Sign: ____________ ______________________

Dental Library **Director- Principal**

Manasvi Vani Samvaddata

Page No.01(Gzb) Date:25.07.2026

आईटीएस डेंटल कॉलेज में एक दिवसीय सीडीई कार्यशाला कार्यक्रम का आयोजन

मनस्वी वाणी संवाददाता

मुरादनगर।आईटीएस डेंटल कॉलेज के प्रोस्थोडोंटिक्स एंड क्राउन एंड ब्रिज विभाग द्वारा एक दिवसीय सीडीई एवं कार्यशाला कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय ऑक्लूजन अनलोक्डः द की टू क्लीनिक सक्सेस था। इस कार्यशाला में देश के विभिन्न डेंटल कॉलेजों के 200 से अधिक बीडीएस छात्र एवं एमडीएस के विद्यार्थियों के साथ-साथ सभी दंत विभागों के दंत चिकित्सकों ने सहभागिता की।कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ रघुवर दयाल सिंह, प्रोफेसर, प्रोस्थोडोंटिक्स विभाग, किंग जॉर्ज मेडिकल विश्वविद्यालय, लखनऊ रहे।इस अवसर पर संस्थान के डायरेक्टर-प्रिंसिपल डॉ देवी चरण शेट्टी के साथ-साथ संस्थान के सभी डीन्स, दंत विभागों के एच.ओ.डी. एवं दंत चिकित्सक भी उपस्थित रहें। डॉ रघुवर ने दंत ऑक्लूजन के मूलभूत सिद्धांतों तथा रेस्टोरेटिव डेंटिस्ट्री, प्रोस्थोडोंटिक्स, इम्प्लांट डेंटिस्ट्री एवं फुल माउथ रिहैबिलिटेशन में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला।कार्यशाला का मुख्य आकर्षण टी-स्कैन कम्प्यूटरीकृत ऑक्लूजल विश्लेषण प्रणाली का लाइव प्रदर्शन रहा। डॉ सिंह ने इस अत्याधुनिक डिजिटल तकनीक के माध्यम से डायनेमिक ऑक्लूजल कॉन्टैक्ट्स, बाइट फोर्स डिस्ट्रीब्यूशन, ऑक्लूजल टाइमिंग तथा मैंडीबुलर मूवमेंट्स का सटीक विश्लेषण प्रस्तुत किया।

प्रतिभागियों ने व्यावहारिक रूप से यह समझा कि इस तकनीक द्वारा ऑक्लूजल इंटरफेरेंस एवं बल के संतुलन की सटीक पहचान कर बेहतर निदान, वैज्ञानिक ऑक्लूजल समायोजन तथा प्रभावी उपचार योजना कैसे तैयार की जा सकती है। समापन अवसर पर डॉ. रघुवर दयाल सिंह ने इस कार्यशाला के उत्कृष्ट एवं सफल आयोजन हेतु संस्थान की सराहना की। इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को सर्वश्रेष्ठ क्लीनिकल ज्ञानवर्धक मंच उपलब्ध कराने के लिये आईटीएस- द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आरपी चड्ढा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा के प्रति आभार व्यक्त किया।

Sign: ____________ ____________________

Dental Library **Director- Principal**

Vartman Satta

Date:25.07.2026

आईटीएस डेंटल कॉलेज में एक दिवसीय

सीडीई व कार्यशाला का आयोजन

वर्तमान सत्ता

गाजियाबाद। आई.टी.एस. डेंटल कॉलेज, के प्रोस्थोडॉटिक्स एंड क्राउन एंड ब्रिज विभाग द्वारा दिनांक 24 जुलाई, 2026 को एक दिवसीय सी.डी.ई. एवं कार्यशाला कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय "ऑक्लूजन अनलोक्ड: द की टू क्लीनिक सक्सेस" था। इस कार्यशाला में देश के विभिन्न डेंटल कॉलेजों के 200 से अधिक बी.डी.एस. छात्र एवं एम.डी.एस. के विद्यार्थियों के साथ–साथ सभी दंत विभागों के दंत चिकित्सकों ने सहभागिता की। यह कार्यक्रम आई.टी.एस. – द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ. आर.पी. चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन, अर्पित चड्ढा के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ रघुवर दयाल सिंह, प्रोफेसर, प्रोस्थोडोंटिक्स विभाग, किंग जॉर्ज मेडिकल विश्वविद्यालय, लखनऊ रहे। डॉ रघुवर को प्रोस्थोडोंटिक्स के क्षेत्र में दो दशकों से अधिक के शिक्षण एवं क्लीनिकल अनुभव प्राप्त है। इस अवसर पर संस्थान के डायरेक्टर–प्रिंसिपल, डॉ देवी चरण शेट्टी के साथ–साथ संस्थान के सभी डीन्स, दंत विभागों के एच.ओ.डी. एवं दंत चिकित्सक भी उपस्थित रहें। अपने व्याख्यान में डॉ रघुवर ने दंत ऑक्लूजन के मूलभूत सिद्धांतो तथा रेस्टोरेटिव डेंटिस्ट्री, प्रोस्थोडोंटिक्स, इम्प्लांट डेंटिस्ट्री एवं फुल माउथ रिहैबिलिटेशन में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने ऑक्लूजल कॉन्टैक्ट्स एवं मैंडीबुलर मूवमेंट्स के वैज्ञानिक विश्लेषण के माध्यम से सामान्य एवं विकृत ऑक्लूजल स्थितियों की पहचान, पैराफंक्शनल आदतों के साक्ष्य–आधारित निदान एवं प्रबंधन तथा दैनिक क्लीनिकल प्रैक्टिस में वैज्ञानिक ऑक्लूजल सिद्धांतों के समुचित उपयोग की आवश्यकता पर विशेष बल दिया। कार्यशाला का मुख्य आकर्षण टी–स्कैन कम्प्यूटरीकृत ऑक्लूजल विश्लेषण प्रणाली का लाइव प्रदर्शन रहा। डॉ सिंह ने इस अत्याधुनिक डिजिटल तकनीक के माध्यम से डायनेमिक ऑक्लूजल कॉन्टैक्ट्स, बाइट फोर्स डिस्ट्रीब्यूशन, ऑक्लूजल टाइमिंग तथा मैंडीबुलर मूवमेंट्स का सटीक विश्लेषण प्रस्तुत किया। प्रतिभागियों ने व्यावहारिक रूप से यह समझा कि इस तकनीक द्वारा ऑक्लूजल इंटरफेरेंस एवं बल के संतुलन की सटीक पहचान कर बेहतर निदान, वैज्ञानिक ऑक्लूजल समायोजन तथा प्रभावी उपचार योजना कैसे तैयार की जा सकती है। कार्यक्रम के दौरान आयोजित प्रश्नोत्तरी सत्र में प्रतिभागियों ने विशेषज्ञ से विभिन्न विषयों पर चर्चा की तथा अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। सभी प्रतिभागियों ने कार्यक्रमों को वैज्ञानिक गुणवत्ता, व्यावहारिक प्रस्तुति एवं डिजिटल ऑक्लूजल विश्लेषण से संबंधित ज्ञानवर्धक जानकारी की सराहना की। इस कार्यशाला ने प्रतिभागियों को आधुनिक ऑक्लूजल विश्लेषण तकनीकों एवं दीर्घकालिक, कार्यात्मक तथा सफल उपचार परिणामों प्राप्त करने में उनके प्रभावी उपयोग के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम के समापन अवसर पर डॉ. रघुवर दयाल सिंह ने इस कार्यशाला के उत्कृष्ट एवं सफल आयोजन हेतु संस्थान की सराहना की। इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को सर्वश्रेष्ठ क्लीनिकल ज्ञानवर्धक मंच उपलब्ध कराने के लिये आई.टी.एस. – द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन श्री अर्पित चड्ढा के प्रति आभार व्यक्त किया।

Sign: __________ ____________________

Dental Library **Director- Principal**

Aap Abhi Tak

Date:25.07.2026

आईटीएस डेंटल कॉलेज में एक दिवसीय सीडीई एवं कार्यशाला कार्यक्रम का आयोजन

संवाददाता (आप अभीतक)

गाजियाबाद। आईटीएस डेंटल कॉलेज, गाजियाबाद के प्रोस्थोडोंटिक्स एंड क्राउन एंड ब्रिज विभाग द्वारा दिनांक 24 जुलाई, 2026 को एक दिवसीय सीडीई एवं कार्यशाला कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय ह्यह्यऑक्लूजन अनलोक्डः द की टू क्लीनिक सक्सेसह्यह्य था। इस कार्यशाला में देश के विभिन्न डेंटल कॉलेजों के 200 से अधिक बीडीएस छात्र एवं एमडीएस के विद्यार्थियों के साथ-साथ सभी दंत विभागों के दंत चिकित्सकों ने सहभागिता की।

यह कार्यक्रम आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ रघुवर दयाल सिंह, प्रोफेसर, प्रोस्थोडोंटिक्स विभाग, किंग जॉर्ज मेडिकल विश्वविद्यालय लखनऊ रहे। डॉ रघुवर को प्रोस्थोडोंटिक्स के क्षेत्र में दो दशकों से अधिक के शिक्षण एवं क्लीनिकल अनुभव प्राप्त है।

इस अवसर पर संस्थान के डायरेक्टर-प्रिंसिपल डॉ. देवी चरण शेट्टी के साथ-साथ संस्थान के सभी डीन्स, दंत विभागों के एचओडी एवं दंत चिकित्सक भी उपस्थित रहें।

अपने व्याख्यान में डॉ रघुवर ने दंत ऑक्लूजन के मूलभूत सिद्धांतों तथा रेस्टोरेटिव डेंटिस्ट्री, प्रोस्थोडोंटिक्स, इम्प्लांट डेंटिस्ट्री एवं फुल माउथ रिहैबिलिटेशन में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला।

उन्होंने ऑक्लूजल कॉन्टैक्ट्स एवं मैंडीबुलर मूवमेंट्स के वैज्ञानिक विश्लेषण के माध्यम से सामान्य एवं विकृत ऑक्लूजल स्थितियों की पहचान, पैराफंक्शनल आदतों के साक्ष्य-आधारित निदान एवं प्रबंधन तथा दैनिक क्लीनिकल प्रैक्टिस में वैज्ञानिक ऑक्लूजल सिद्धांतों के समुचित उपयोग की आवश्यकता पर विशेष बल दिया।

कार्यशाला का मुख्य आकर्षण टी-स्कैन कम्प्यूटरीकृत ऑक्लूजल विश्लेषण प्रणाली का लाइव प्रदर्शन रहा। डॉ. सिंह ने इस अत्याधुनिक डिजिटल तकनीक के माध्यम से डायनेमिक ऑक्लूजल कॉन्टैक्ट्स, बाइट फोर्स डिस्ट्रीब्यूशन, ऑक्लूजल टाइमिंग तथा मैंडीबुलर मूवमेंट्स का सटीक विश्लेषण प्रस्तुत किया। प्रतिभागियों ने व्यावहारिक रूप से यह समझा कि इस तकनीक द्वारा ऑक्लूजल इंटरफेरेंस एवं बल के संतुलन की सटीक पहचान कर बेहतर निदान, वैज्ञानिक ऑक्लूजल समायोजन तथा प्रभावी उपचार योजना कैसे तैयार की जा सकती है।

Sign: ____________ ________________________

Dental Library **Director- Principal**

Chamakta Gaun

Date:25.07.202

आई.टी.एस. डेंटल कॉलेज में एक दिवसीय सी.डी.ई. एवं कार्यशाला आयोजित

Sign: ____________ ____________________

Dental Library **Director- Principal**

गाजियाबाद।आई.टी.एस. डेंटल काय ॉलेज, गाजियाबाद के प्रोस्थोडोंटिक्स एंड क्राउन एंड ब्रिज विभाग द्वारा एक दिवसीय सी.डी.ई. एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का विषय आक्लूज़न अनलोक्ड: द की टू क्लीनिक सक्सेस था।इस कार्यशाला में देश के विभिन्न डेंटल कॉलेजों के 200 से अधिक बी.डी.एस. छात्र एवं एम.डी.एस. के विद्यार्थियों के साथ-साथ सभी दंत विभागों के दंत चिकित्सकों ने सहभागिता की।यह कार्यक्रम आई.टी.एस.- द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ. आर.पी. चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ. रघुवर दयाल सिंह, प्रोफेसर, प्रोस्थोडोंटिक्स विभाग, किंग जॉर्ज मेडिकल विश्वविद्यालय, लखनऊ रहे।डॉ.रघुवर को प्रोस्थोडोंटिक्स के क्षेत्र में दो दशकों से अधिक के शिक्षण एवं क्लीनिकल अनुभव प्राप्त है।इस अवसर पर संस्थान के डायरेक्टर-प्रिंसिपल, डॉ देवी चरण शेट्टी के साथ-साथ संस्थान के सभी डीन्स, दंत विभागों के एच.ओ.डी. एवं दंत चिकित्सक भी उपस्थित रहें।अपने व्याख्यान में डॉ. रघुवर ने दंत आॅक्लूजन के मूलभूत सिद्धांतों तथा रेस्टोरेटिव डेंटिस्ट्री, प्रोस्थोडोंटिक्स, इम्प्लांट डेंटिस्ट्री एवं फुल माउथ रिहैबिलिटेशन में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला।उन्होंने आॅक्लूजल कॉन्टैक्ट्स एवं मैंडीबुलर मूवमेंट्स के वैज्ञानिक विश्लेषण के माध्यम से सामान्य एवं विकृत आॅक्लूजल स्थितियों की पहचान, पैराफंक्शनल आदतों के साक्ष्य-आधारित निदान एवं प्रबंधन तथा दैनिक क्लीनिकल प्रैक्टिस में वैज्ञानिक आॅक्लूजल सिद्धांतों के समुचित उपयोग की आवश्यकता पर विशेष बल दिया।कार्यशाला का मुख्य आकर्षण टी-स्कैन कम्प्यूटरीकृत आॅक्लूजल विश्लेषण प्रणाली का लाइव प्रदर्शन रहा।डॉ सिंह ने इस अत्याधुनिक डिजिटल तकनीक के माध्यम से डायनेमिक आॅक्लूजल कॉन्टैक्ट्स, बाइट फोर्स डिस्ट्रीब्यूशन, आॅक्लूजल टाइमिंग तथा मैंडीबुलर मूवमेंट्स का सटीक विश्लेषण प्रस्तुत किया।प्रतिभागियों ने व्यावहारिक रूप से यह समझा कि इस तकनीक द्वारा आॅक्लूजल इंटरफेरेंस एवं बल के संतुलन की सटीक पहचान कर बेहतर निदान, वैज्ञानिक आॅक्लूजल समायोजन तथा प्रभावी उपचार योजना कैसे तैयार की जा सकती है।कार्यक्रम के दौरान आयोजित प्रश्नोत्तरी सत्र में प्रतिभागियों ने विशेषज्ञ से विभिन्न विषयों पर चर्चा की तथा अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया।सभी प्रतिभागियों ने कार्यक्रमों की वैज्ञानिक गुणवत्ता,

व्यावहारिक प्रस्तुति एवं डिजिटल आॅक्लूजल विश्लेषण से संबंधित ज्ञानवर्धक जानकारी की सराहना की।इस कार्यशाला ने प्रतिभागियों को आधुनिक आॅक्लूजल विश्लेषण तकनीकों एवं दीर्घकालिक, कार्यात्मक तथा सफल उपचार परिणामों प्राप्त करने में उनके प्रभावी उपयोग के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।कार्यक्रम के समापन अवसर पर डॉ. रघुवर दयाल सिंह ने इस कार्यशाला के उत्कृष्ट एवं सफल आयोजन हेतु संस्थान की सराहना की।इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को सर्वश्रेष्ठ क्लीनिकल ज्ञानवर्धक मंच उपलब्ध कराने के लिये आई.टी.एस. – द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा के प्रति आभार व्यक्त किया।